पाठ-7

पहली बूँद

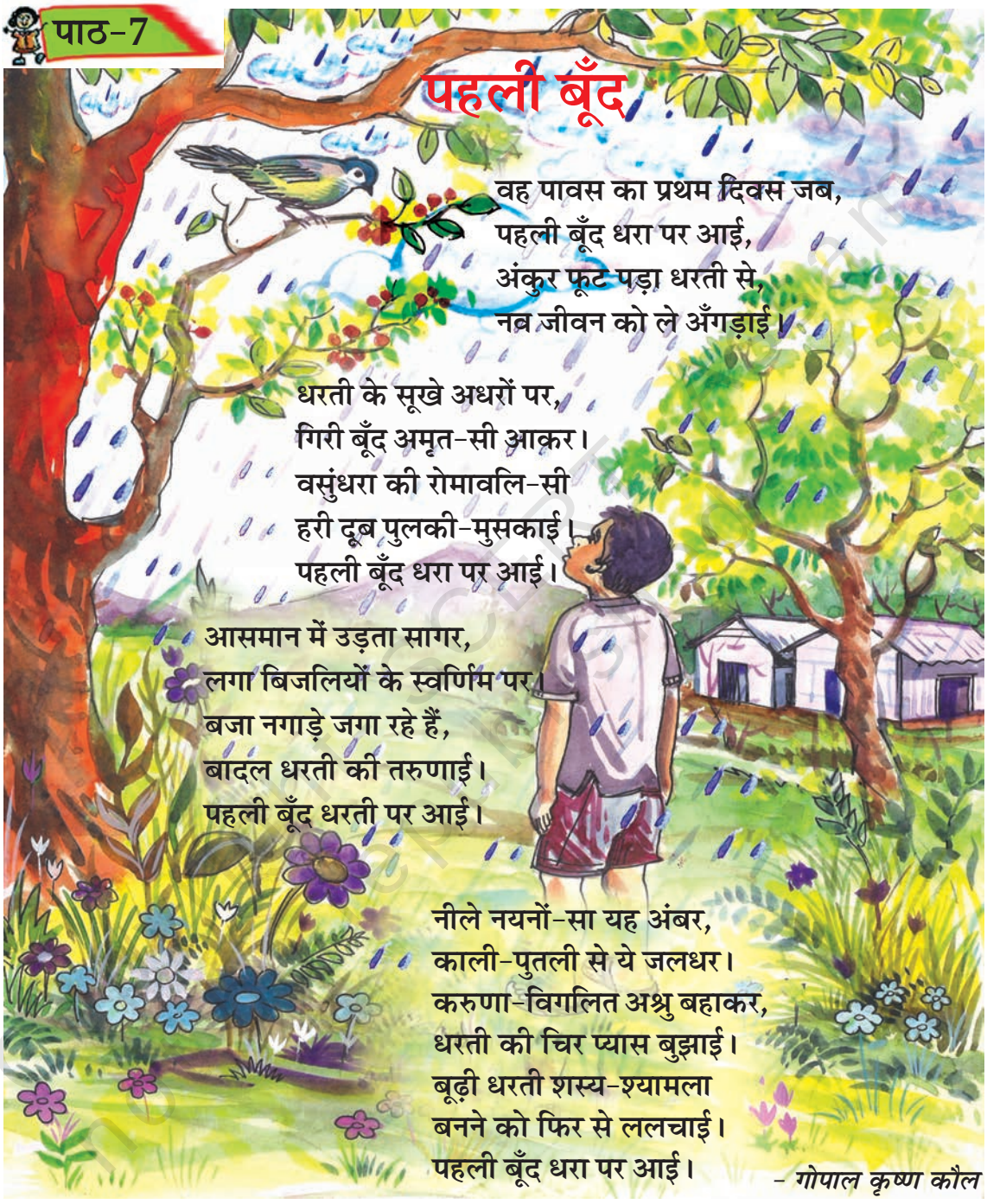

वह पावस का प्रथम दिवस जब,
पहली बूँद धरा पर आई,
अंकुर फूट पड़ा धरती से,
नव जीवन को ले अँगड़ाई।

धरती के सूखे अधरों पर,
गिरी बूँद अमृत-सी आकर।
वसुंधरा की रोमावलि-सी
हरी दूब पुलकी-मुसकाई।
पहली बूँद धरा पर आई।

आसमान में उड़ता सागर,
लगा बिजलियों के स्वर्णिम पर।
बजा नगाड़े जगा रहे हैं,
बादल धरती की तरुणाई।
पहली बूँद धरती पर आई।

नीले नयनों-सा यह अंबर,
काली-पुतली से ये जलधर।
करुणा-विगलित अश्रु बहाकर,
धरती की चिर प्यास बुझाई।
बूढ़ी धरती शस्य-श्यामला
बनने को फिर से ललचाई।
पहली बूँद धरा पर आई।

- गोपाल कृष्ण कौल

आओ, जानें

इस कविता में वर्षा के कारण धरती और आकाश में बनने वाले सौंदर्य का वर्णन किया गया है। जब आकाश से बूँदें गिरती हैं तो सूखी धरती को नया जीवन प्राप्त होता है तथा सब ओर हरियाली छा जाती है। वर्षा की पहली बूँद गिरते ही मानो बूढ़ी धरती शस्य-श्यामला बनने के लिए फिर से ललचा उठती है!

अभ्यास- माला

पाठ से :

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो :**

(क) कविता में किस ऋतु का वर्णन हुआ है ?

(ख) वर्षा की पहली बूँद को किसके समान बताया गया है ?

(ग) धरती की रोमावलि क्या है ?

(घ) 'आसमान में उड़ता सागर'– यहाँ कवि ने उड़ता सागर किसे कहा है ?

(ङ) बूढ़ी धरती क्या बनना चाहती है ?

2. कविता का भाव समझकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो :

(क) वर्षा की पहली बूँद से धरती की प्रसन्नता किस प्रकार प्रकट होती है ?

(ख) वर्षा ऋतु में बादल कैसे दिखाई पड़ते हैं ?

(ग) वर्षा ऋतु में धरती पर क्या-क्या परिवर्तन होते हैं ?

(घ) कवि ने वर्षा की पहली बूँद को अमृत के समान क्यों कहा है ?

(ङ) वर्षा ऋतु के सौंदर्य का अपने शब्दों में चित्रण करो।

3. **कवि ने कविता में प्रकृति की वस्तुओं का मानवीकरण किया है। आओ, समझें और मिलाएँ :**

बूँद	पुलकी-मुसकाई
अंबर	काली-पुतली
बादल	अमृत
दूब	नीला नयन

पाठ के आस-पास :

1. भारत में कुल छह ऋतुएँ होती हैं। उनके नाम लिखो। इनमें से तुम्हें सबसे प्रिय कौन-सी ऋतु लगती है ? उसके बारे में पाँच पंक्तियाँ लिखो।

2. वर्षा ऋतु में कम वर्षा होने पर क्या-क्या लाभ और नुकसान होते हैं, आओ, इस तालिका में उल्लेख करें :

Copyright SCERT, Assam not be republished

लाभ	नुकसान
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

⇒ यदि अधिक वर्षा हो तो क्या-क्या लाभ और नुकसान हो सकते हैं- ऐसी एक तालिका बनाओ और लिखो।

3. आओ, पढ़ें, समझें और लिखें :

हवा की आवाज है - सर-सर

पानी बरसता है - झर-झर

इसी तरह इनकी आवाजें क्या हैं, लिखो :

नदी ....

बिजली ....

नगाड़ा ....

भाषा-अध्ययन :

1. कविता में अनुस्वार (ं) और अनुनासिक (ँ) वाले शब्दों का प्रयोग हुआ है। ऐसे ही तीन-तीन अन्य शब्द ढूँढ़कर लिखो :

अनुस्वार (ं)	अनुनासिक (ँ)
अंकुर	बूँद
.....	.....
.....	.....
.....	.....

Copyright-SCERT Assam not to be republished

2. समान अर्थवाले शब्दों को चुनकर गोला ◯ लगाओ :

धरती	⇒	जीवन	अमृत	(धरा)	धन	(वसुंधरा)
बादल	⇒	जलधर	सागर	बिजली	मेघ	बूंद
आकाश	⇒	धरती	अंबर	आसमान	घन	अश्रु
नयन	⇒	लोचन	नासिका	नगाड़ा	अधर	नेत्र
दिन	⇒	दिवस	दूब	दिवा	दिनकर	रात्रि

3. निम्नलिखित विलोम शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ :

दिवस	आकाश
जीवन	विष
धरती	मृत्यु
अमृत	रात्रि

योग्यता-विस्तार :

1. बच्चो ! तुमलोग जानते हो कि वसंत ऋतु को 'ऋतुराज' कहते हैं। इस ऋतु में भारत में अनेक त्योहार मनाए जाते हैं। जैसे- होली, बिहु, वैशाखी, ओणम, पोंगल आदि। इनमें से किसी एक त्योहार के बारे में एक अनुच्छेद लिखो।

2. प्रकृति के संरक्षण में मनुष्य की भूमिका पर एक परिचर्चा का आयोजन करो और अपने-अपने विचार लिखकर शिक्षक-शिक्षिका को दिखाओ।

3. वर्षा पर आधारित अन्य कविताएँ पत्र-पत्रिकाओं तथा अन्य स्रोतों से संगृहीत कर पढ़ो और समझो।

4. आओ, कुछ करें :

Copyright-SCERT, Assam not be republished

बरसात आने पर क्या-क्या होते हैं ? पूर्वांकित चित्र को देखकर पाँच वाक्य लिखो :

.....

.....

.....

.....

.....

आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
पावस	– वर्षा ऋतु	पुलकी-मुसकाई	– पुलकित हुई और मुस्कुराई
दिवस	– दिन		
धरा	– धरती	स्वर्णिम	– सुनहरे
अधर	– ओठ	अंबर	– आकाश
अमृत	– सुधा, अमिय	जलधर	– बादल
वसुंधरा	– धरती	अश्रु	– आँसू
रोमावलि	– रोमों की पंक्ति	चिर	– सदा, हमेशा
दूब	– दूर्वा, घास		

Copyright- SCERT, Assam not be republished